मांगी जो मुराद सदा दर से तेरे पाई है

मांगी जो मुराद सदा दर से तेरे पाई है,
फिर इक बार मैंने झोली फैलाई है,
जब भी पुकारो सब का बनता तू सहाई है,
फिर इक बार मैंने झोली फैलाई है,

दिया जो वचन है वो निभाना होगा बाबा,
फिर इक बार तुझे आना होगा बाबा,
सच्चा साथी तू ही सारी दुनिया पराई है,
फिर इक बार मैंने झोली फैलाई है,

सब ने ठुकराया बाबा तू भी ठुकराना न,
सिवा तेरे दर के मेरा और ठिकाना ना,
तेरे चरणों में मेरी दुनिया समाई है,
फिर इक बार मैंने झोली फैलाई है,

टूट के बिखर न जाऊ और अजमाना न,
भूलो को मेरी साई दिल से लगाना न,
बत्रा ने तुम से ही आस लगाई है,
फिर इक बार मैंने झोली फैलाई है,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/19528/title/maangi-jo-murad-sda-dar-se-tere-pai-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |